IILM Academy of Higher Learning, Lucknow

AICTE Sponsored International Virtual Conference 27-29, July 2023

Press as we see

https://www.instantkhabar.com/item/3-day-virtual-international-conference-begins-at-iilm-lucknow.html

IILM लखनऊ में 3 दिवसीय वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू

जुलाई 27, 2023 17:38

NAILA RUSHDI IILM

लखनऊ:

आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में ''बिजनेस में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई।

एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है।

सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफ इरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

https://www.reportersdigest.page/2023/07/3.html?m=1

REPORTERS DIGEST

खोज

जुलाई 27, 2023

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

27 जुलाई, 2023 को आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में "बिजनेस में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई।

एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा।
अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

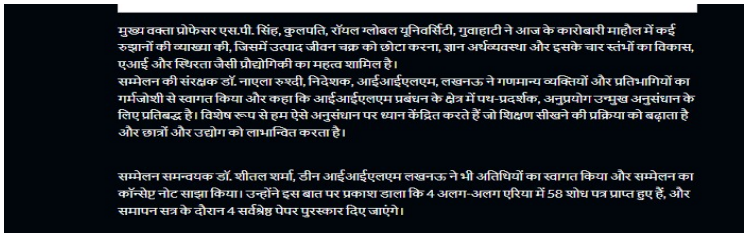

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है।
सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफ इरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

Rashtriya Sahara 28/7/2023

आईआईएलएम में बिजनेस में भविष्य के रुझान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

लखनऊ (एसएनबी)। गोमती नगर स्थित आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग में 'बिजनेस में भविष्य के स्झानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय निदेशक आईआईएम इंदौर ने किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एसपी सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला स्श्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया।

स्कालर टाइम्स प्रादेशिक

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

विशेष संवाददाता,

राजधानी लखनऊ में गोमती नगर स्थित आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, में 'बिजनेस में भविष्य के रुझानात्मक ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई।

एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एचआर और ओबी, फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है।

सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग टरिया में 68 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ. नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफ इरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

Amar Ujala, My City, Page-5

एआईसीटीई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस शुरू

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय एआईसीटीई वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की शुरूआत हुई। व्यवसाय में भविष्य के रुझान : ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक आईआईएम इंदौर प्रो. हिमांशु राय ने किया। संस्थान की निदेशक नायला रुश्दी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश तमाम शिक्षाविद अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसके साथ ही 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रो. हिमांशु राय ने सामाजिक प्रभाव को दोबारा परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। कॉन्फ्रेंस में कुलपति रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी गुवाहाटी प्रो. एसपी सिंह, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. विभूति गुप्ता व डॉ. नेहा तिवारी आदि शामिल हुए। (संवाद)

https://www.reportersdigest.page/2023/07/blog-post_46.html?m=1#more

https://hnanews.co.in/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%be/15955/

https://www.manvimedia.page/2023/07/i-l-lm.html

https://currentmedia.in/virtual-international-conference-organized-at-iilm-lucknow/

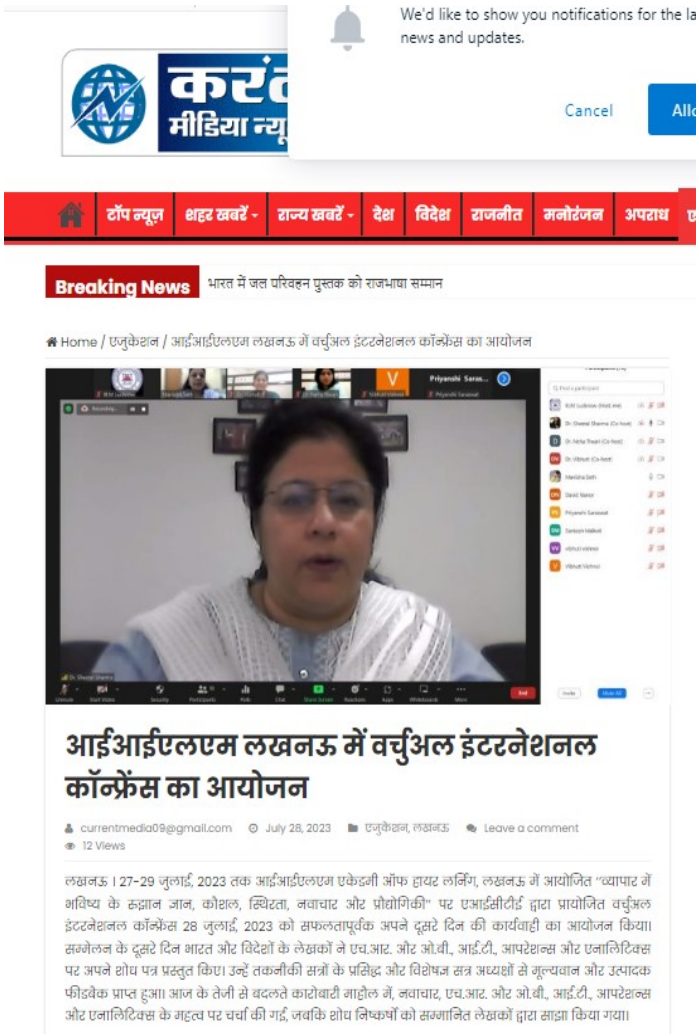

Rashtriya Yuva Vahini Shankhnaad, Lucknow, 27/7/2023, Page-5

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में "बिजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., ऑपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन–देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ–प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग–अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे। सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है ।

https://www.instantkhabar.com/item/iilm-lucknow.html

instant खबर

होम कारोबार मनोरंजन राजनीति देश दुनिया खेल लखनऊ उत्तर प्रदेश उर्दू खबरें लेख विविध

SHARE

आईआईएलएम लखनऊ वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन, लेखकों ने शोधपत्र पेश किये

जुलाई 28, 2023 8:56

IILM LUCKNOW

लखनऊ:

27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित "व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., ऑपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ।

आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., ऑपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

सम्मेलन की संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रितेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

Sword of India, Lucknow, 28/7/2023, Page-2

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

(संवाददाता)

लखनऊ । आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ में ''बिजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स,

एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे। सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफइरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

Rashtriya Sahara, Lucknow, 29/7/2023

IILM कांफ्रेंस : देश-विदेश के लेखकों ने पेश किए शोधपत्र

लखनऊ (एसएनबी)। गोमतीनगर स्थित आईआईएलएम में व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दूसरे दिन देश- विदेश के लेखकों ने हिस्सा लिया। भारत और विदेशों के लेखकों ने एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ। एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल कांफ्रेंस में तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई। शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों ने साझा भी किया। सम्मेलन की संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के अंतिम दिन 29 जुलाई को आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रिकेतेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी अजमान (यूएई) समापन समारोह की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य भाषण देंगे।

Anandi Mail, Lucknow, 29/7/2023, Page-3

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

संवाददाता

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ में ''बिजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आई आईएल एम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

Bareli Ki Aawaj, Lucknow, 29/7/2023, Page-8

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित

लखनऊ(बरेली की आवाज)। व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ। आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया। सम्मेलन की

संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

> आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी अश्रफ हायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। "व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एचआर और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ।

आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

सम्मेलन की संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रित्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

प्रादेशिक

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन संपन्न

[illegible]

https://www.instantkhabar.com/item/virtual-international-conference-concludes-at-iilm-lucknow-58-research-papers-presented-emphasis-on-innovation.html

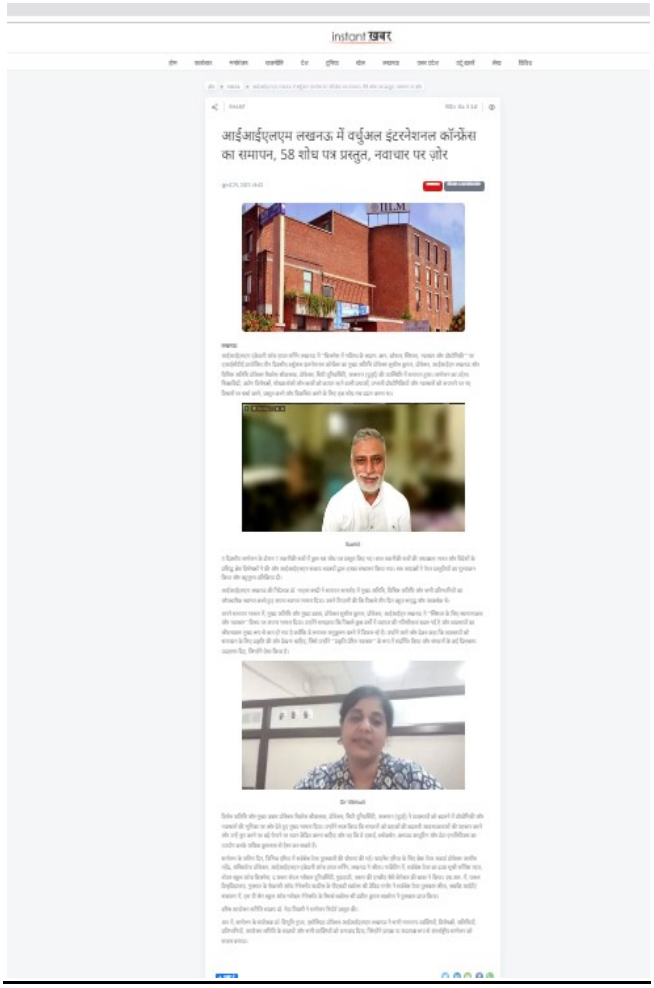

instant खबर

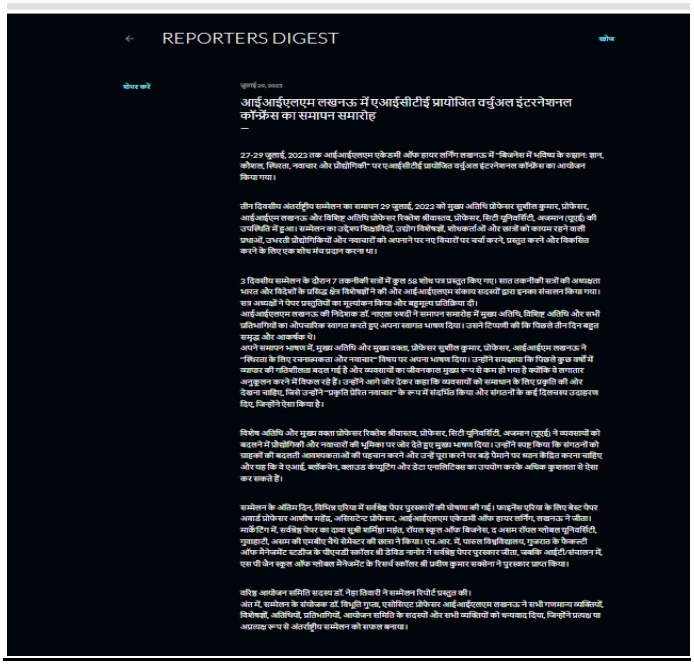

आईआईएलएम लखनऊ में वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन, 58 शोध पत्र प्रस्तुत, नवाचार पर ज़ोर

https://www.reportersdigest.page/2023/07/blog-post_29.html

REPORTERS DIGEST

खोज

शेयर करें

जुलाई 29, 2023

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह

—

27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग लखनऊ में "बिजनेस में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था।

3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी।
आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे।
अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने "स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार" विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने "प्रकृति प्रेरित नवाचार" के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है।

विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं।

सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में, सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा सुश्री शर्मिष्ठा महंत, रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चौथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया। एच.आर. में, पारुल विश्वविद्यालय, गुजरात के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर श्री डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जबकि आईटी/संचालन में, एस पी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर श्री प्रवीण कुमार सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया।

वरिष्ठ आयोजन समिति सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की।
अंत में, सम्मेलन के संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों, आयोजन समिति के सदस्यों और सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाया।

https://www.manvimedia.page/2023/07/iilm.html

IILM लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन

RESPONSIVE ADS HERE

Vaicharik Tufan, Lucknow, 30/7/2023, Page-2

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

27–29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित

लखनऊ। ''व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ।

आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

सम्मेलन की संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रिकेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

Anandi Mail, Lucknow, 30/7/2023, Page-3

आईआईएलएम में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

संवाददाता, लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित ''व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ। आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

https://aapkikhabar.com/local/concluding-ceremony-of-the-aicte-sponsored-virtual/cid11730353.htm

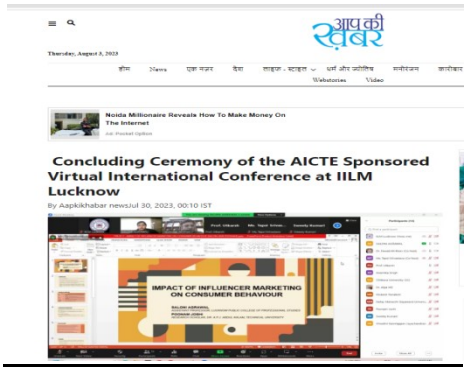

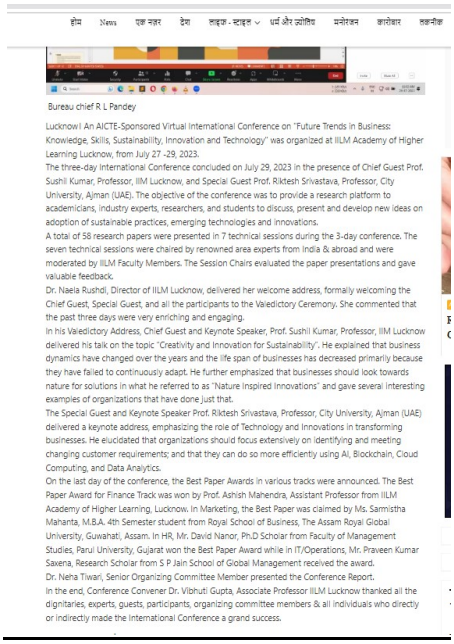

होम News एक नज़र देश लाइफ - स्टाइल धर्म और ज्योतिष मनोरंजन कारोबार तकनीक

Bureau chief R L Pandey

Lucknow। An AICTE-Sponsored Virtual International Conference on "Future Trends in Business: Knowledge, Skills, Sustainability, Innovation and Technology" was organized at IILM Academy of Higher Learning Lucknow, from July 27 -29, 2023.

The three-day International Conference concluded on July 29, 2023 in the presence of Chief Guest Prof. Sushil Kumar, Professor, IIM Lucknow, and Special Guest Prof. Riktesh Srivastava, Professor, City University, Ajman (UAE). The objective of the conference was to provide a research platform to academicians, industry experts, researchers, and students to discuss, present and develop new ideas on adoption of sustainable practices, emerging technologies and innovations.

A total of 58 research papers were presented in 7 technical sessions during the 3-day conference. The seven technical sessions were chaired by renowned area experts from India & abroad and were moderated by IILM Faculty Members. The Session Chairs evaluated the paper presentations and gave valuable feedback.

Dr. Naela Rushdi, Director of IILM Lucknow, delivered her welcome address, formally welcoming the Chief Guest, Special Guest, and all the participants to the Valedictory Ceremony. She commented that the past three days were very enriching and engaging.

In his Valedictory Address, Chief Guest and Keynote Speaker, Prof. Sushil Kumar, Professor, IIM Lucknow delivered his talk on the topic "Creativity and Innovation for Sustainability". He explained that business dynamics have changed over the years and the life span of businesses has decreased primarily because they have failed to continuously adapt. He further emphasized that businesses should look towards nature for solutions in what he referred to as "Nature Inspired Innovations" and gave several interesting examples of organizations that have done just that.

The Special Guest and Keynote Speaker Prof. Riktesh Srivastava, Professor, City University, Ajman (UAE) delivered a keynote address, emphasizing the role of Technology and Innovations in transforming businesses. He elucidated that organizations should focus extensively on identifying and meeting changing customer requirements; and that they can do so more efficiently using AI, Blockchain, Cloud Computing, and Data Analytics.

On the last day of the conference, the Best Paper Awards in various tracks were announced. The Best Paper Award for Finance Track was won by Prof. Ashish Mahendra, Assistant Professor from IILM Academy of Higher Learning, Lucknow. In Marketing, the Best Paper was claimed by Ms. Sarmistha Mahanta, M.B.A. 4th Semester student from Royal School of Business, The Assam Royal Global University, Guwahati, Assam. In HR, Mr. David Nanor, Ph.D Scholar from Faculty of Management Studies, Parul University, Gujarat won the Best Paper Award while in IT/Operations, Mr. Praveen Kumar Saxena, Research Scholar from S P Jain School of Global Management received the award.

Dr. Neha Tiwari, Senior Organizing Committee Member presented the Conference Report.

In the end, Conference Convener Dr. Vibhuti Gupta, Associate Professor IILM Lucknow thanked all the dignitaries, experts, guests, participants, organizing committee members & all individuals who directly or indirectly made the International Conference a grand success.

Sword of India, Lucknow, 30/7/2023, Page-2

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह

(संवाददाता)

लखनऊ। 27-29 जुलाई तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग लखनऊ में ''बिजनेस में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी''पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने ''स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार'' विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विफल रहे हैं।

उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने ''प्रकृति प्रेरित नवाचार'' के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है। विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं। सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिसटेन्ट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में, सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा सुश्री शर्मिष्ठा महंत, रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चौथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया।

Bareli Ki Aawaz, Lucknow, 30/7/2023, Page-8

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह आयोजित

लखनऊ(बरेली की आवाज)। 27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग लखनऊ में ह्यबिजनेस में भविष्य के रुझानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने ह्यस्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचारह्न विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने ह्यप्रकृति प्रेरित नवाचारह्न के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है। विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं। सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में, सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा शर्मिष्ठा महंत, रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चौथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया। एच.आर. में, पारुल विश्वविद्यालय, गुजरात के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर श्री डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जबकि आईटी/संचालन में, एस पी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर प्रवीण कुमार सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया। वरिष्ठ आयोजन समिति सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में, सम्मेलन के संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों, आयोजन समिति के सदस्यों और सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाया।

Rashtriya Sahara, Lucknow, 30/7/2023

IILM : अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में 58 शोध पत्र पेश

लखनऊ (एसएनबी)। गोमतीनगर स्थित आईआईएलएम में 'व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर तीन दिनी वर्चुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस दौरान सात तकनीकी सत्रों में भारत और विदेशों के लेखकों ने एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर सात तकनीकी सत्रों में 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. सुशील कुमार (आईआईएम लखनऊ) और विशिष्ट अतिथि प्रो. रिक्तेश श्रीवास्तव (सिटी यूनिवर्सिटी अजमान) मौजूद रहे। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुशदी ने बताया कि कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। विभिन्न तकनीकी सत्रों के अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और

■ बिजनेस में भविष्य के रुझान पर विशेषज्ञों ने दिये व्याख्यान

बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उन्होंने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा के साथ ही इनका वितरण भी किया गया। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रो.आशीष महेंद्र (आईआईएलएम लखनऊ) ने जीता। मार्केटिंग में सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा शर्मिष्ठा महंत रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चौथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया। एचआर में पारुल विश्वविद्यालय गुजरात के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता। आईटी/संचालन में, एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर प्रवीण सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया। आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

https://hnanews.co.in/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%be/16004/

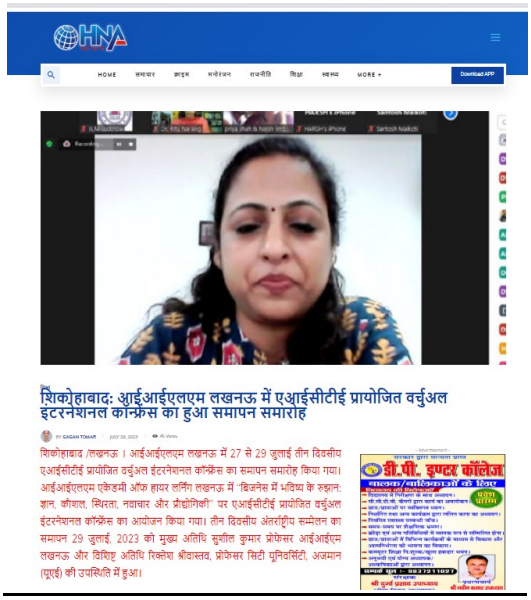

शिकोहाबाद: आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन समारोह

BY GAGAN TOMAR / JULY 29, 2023 / 45 Views

शिकोहाबाद /लखनऊ । आईआईएलएम लखनऊ में 27 से 29 जुलाई तीन दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह किया गया। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग लखनऊ में "बिजनेस में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि सुशील कुमार प्रोफेसर आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ।

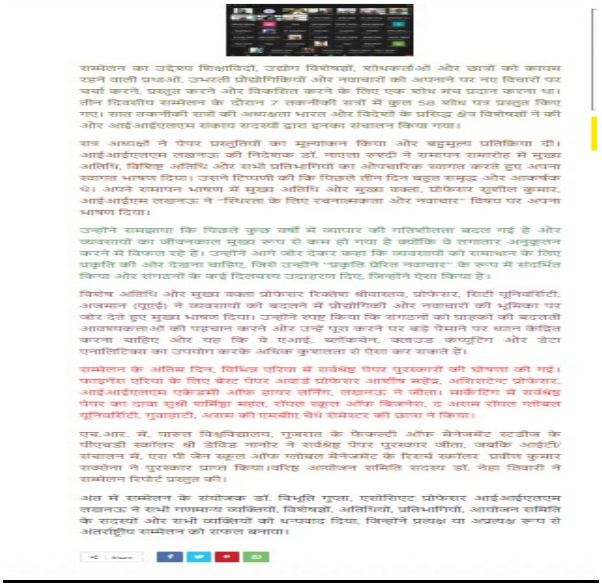

- Advertisement -

सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया।

सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, आईआईएम लखनऊ ने "स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार" विषय पर अपना भाषण दिया।

उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने "प्रकृति प्रेरित नवाचार" के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है।

विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं।

सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिसटेन्ट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा सुश्री शर्मिष्ठा महंत, रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चैथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया।

एच.आर. में, पारुल विश्वविद्यालय, गुजरात के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर श्री डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जबकि आईटी/संचालन में, एस पी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर प्रवीण कुमार सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया।वरिष्ठ आयोजन समिति सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अंत में सम्मेलन के संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों, आयोजन समिति के सदस्यों और सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाया।

Share

Jansandesh Times, Lucknow 30/7/2023

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग लखनऊ में बिजनेस में भविष्य के रुझानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने प्रकृति प्रेरित नवाचार के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है।

विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं। सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिसटेन्ट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में, सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा सुश्री शर्मिष्ठा महंत, रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चैथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया। एच.आर. में, पारुल विश्वविद्यालय, गुजरात के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर श्री डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जबकि आईटी/संचालन में, एस पी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर श्री प्रवीण कुमार सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया। वरिष्ठ आयोजन समिति सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में, सम्मेलन के संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों, आयोजन समिति के सदस्यों और सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाया।

Swatantrata Bharat 30/8/2023, Page-2

नवाचार और प्रौद्योगिकी पर चर्चा की

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग लखनऊ में बिजनेस में भविष्य के रुझानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्तेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुश्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने ''स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार'' विषय पर अपना भाषण दिया।